

राजीव गौबा
Rajiv Gauba



सत्यमेव जयते



आज़ादी का
अमृत महोत्सव

मंत्रिमंडल सचिव
भारत सरकार
CABINET SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

‘विविधता में एकता’ भारत की अनूठी विशेषता है। यह विशेषता हिंदी के साथ-साथ देश की भिन्न-भिन्न भाषाओं के संगम में भी परिलक्षित होती है। भाषायी विविधता के साथ-साथ हिंदी भारत जैसे विशाल देश में संपर्क भाषा का काम करती है क्योंकि अधिकांश देशवासी हिंदी बोलते और समझते हैं। हिंदी भाषा के इसी महत्व को ध्यान में रखते हुए, 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया और तभी से प्रत्येक वर्ष यह दिन “हिंदी दिवस” के रूप में मनाया जाता है।

हिंदी भाषा का प्रयोग कार्य के विभिन्न क्षेत्रों और विशेषकर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र में उत्तरोत्तर बढ़ रहा है। आज भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी राजभाषा हिंदी के माध्यम से जनसाधारण तक पहुंच रही है। भारत सरकार के समस्त कार्यालयों में कार्यरत कर्मिकों और विशेषकर उच्च अधिकारियों से मेरी अपील है कि आप सभी राजभाषा हिंदी में कार्य करने का अनुकूल माहौल बनाने में सहयोग दें और अपना अधिक से अधिक सरकारी कामकाज स्वयं हिंदी में करने के साथ-साथ दूसरे साथियों को भी इसके लिए प्रेरित करें ताकि राजभाषा हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार हो। आशा है कि ऐसे प्रयासों से वैश्वीकरण के इस युग में हिंदी देश की सीमाओं से आगे विश्व स्तर पर भी अपनी प्रभावी पहचान निरंतर बनाए रखेगी।

देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे “अमृत महोत्सव” के अवसर पर आइए संकल्प लें कि वर्षभर हम अधिक से अधिक अपना मूल कार्य सरल और सुबोध हिंदी में करेंगे और अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करेंगे।

जय हिंद।

(राजीव गौबा)